CYBER SAFETY

डिजिटल अपराधों के बढ़ते खतरे के खिलाफ

'नैशनल यूथ एम्बैसेडर प्रोग्राम'

भारत में साइबर अपराधों में तेजी से हो रही वृद्धि के मद्देनजर WHT NOW नामक एक डिजिटल सेफ्टी मूवमैंट ने देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के साथ मिलकर अपना 'नैशनल यूथ एम्बैसेडर प्रोग्राम' लॉन्च कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य है कि 2025 के अंत तक 5,000 से अधिक छात्रों को 'डिजिटल फर्स्ट रिस्पॉन्डर' के रूप में प्रशिक्षित किया जाए — एक ऐसा कदम, जो बढ़ते सैक्सटॉर्शन, साइबर बुलिंग, पहचान की चोरी और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाओं के बीच बेहद जरूरी हो गया है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, 2025 में साइबर अपराधों में 24.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें 65,000 से अधिक एफ.आई.आर. दर्ज की गईं। विशेषज्ञ मानते हैं कि असली आंकड़ा कहीं ज्यादा है, क्योंकि अधिकांश पीड़ित – खासकर महिलाएं और नाबालिग – डर, सामाजिक शर्म या जानकारी के अभाव में शिकायत दर्ज नहीं कराते।

इसे केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन बताने वाली WHT NOW की संस्थापक नीति गोयल कहती हैं, ''हम ऑनलाइन दुरुपयोग के खिलाफ एक चुप्पी की महामारी देख रहे हैं। हमारा लक्ष्य युवाओं को ज्ञान, हिम्मत और समुदाय की ताकत से लैस करना है, ताकि वे डिजिटल दुनिया की दिशा बदल सकें।''

नीति के अनुसार, ''साइबर अपराध केवल तकनीकी नहीं, बल्कि भावनात्मक, कानूनी और सामाजिक संकट है। असल बदलाव तभी संभव है, जब हम नेतृत्व को जमीनी स्तर पर विकसित करें। यही कारण है कि हम सीधे कॉलेज परिसरों तक पहुंच रहे हैं।''

हर यूथ एम्बैसेडर को साइबर कानून, रिपोर्टिंग मैकेनिज्म, साइकोलॉजिकल फर्स्ट-एड और डिजिटल नैतिकता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में वर्कशॉप्, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और कानूनी पेशेवरों से मैंटरशिप और कॉलेज परिसरों में डिजिटल सेफ्टी सैल्स की स्थापना करना शामिल है।

देशभर के 40 से अधिक शिक्षण संस्थानों ने इस सहयोग में रुचि दिखाई है और पायलट चरण पहले ही शुरू हो चुका है। कार्यक्रम का दीर्घकालिक लक्ष्य एक पैन-इंडिया नैटवर्क तैयार करना है, जिसमें प्रशिक्षित एम्बैसेडर जमीनी स्तर पर साइबर सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

भारत, जहां 830 मिलियन से अधिक इंटरनैट यूजर हैं, दुनिया के सबसे डिजिटल रूप से जुड़े देशों में से एक है, फिर भी डिजिटल सुरक्षा को लेकर औपचारिक शिक्षा में जागरूकता की कमी है। इस प्रोग्राम का मिशन है, इस अंतर को पाटना और युवाओं को बदलाव की अग्रिम पंक्ति में लाना। कार्यक्रम मई 2025 से चरणबद्ध रूप में शुरू होगा, जिसमें देशव्यापी जागरूकता सत्र, विश्वविद्यालयों के साथ एम.ओ.यू. और एक डिजिटल टूलकिट का विमोचन शामिल होगा।